Important Questions for Class 12

Hindi - Aroh

भक्तिन

अति लघु उत्तरीय प्रश्न **1 अंक**

1. संकल्प तथा जिज्ञासु का शब्दार्थ लिखो।
उत्तर: संकल्प - निश्चय
जिज्ञासु - उत्सुक

2. भक्तिन ने कितनी बेटियों को जन्म दिया था?
उत्तर: भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया था।

3. शहर आकर भी भक्तिन ने क्या नहीं खाया था?
उत्तर: भक्तिन ने शहर में आकर भी कभी रसगुल्ले नहीं खाए थे।

4. भक्तिन को पिता के घर जाते समय कौन सी बात ज्ञात नहीं थी?
उत्तर: भक्तिन को पिता के घर जाते समय अपने पिता के मृत्यु की बात का ज्ञान नहीं था।

5. शास्त्रों की बातों का वर्णन भक्तिन किस प्रकार करती है?
उत्तर: भक्तिन स्वयं अपने अनुसार शास्त्रों में लिखी बातों का वर्णन करती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न **2 अंक**

6. भक्तिन अपनी जेठानियों के घृणा और उपेक्षा की शिकार क्यों बनी?
उत्तर: भक्तिन ने किसी भी पुत्र को जन्म नहीं दिया था बल्कि भक्तिन की तीन पुत्रियां थी। जिसके कारण उसकी जेठानिया भक्ति से घृणा करती एवं उसे ताने दिया करती थी।

7. भक्तिन की बेटी के लिए पंचायत ने क्या फैसला दिया था?
उत्तर: पंचायत ने भक्तिन की बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले से ही उसकी बेटी का विवाह तय करने का फैसला किया था।

8. भक्तिन किसे चोरी नहीं मानती थी?
उत्तर: भक्तिन को लेखिका द्वारा इधर उधर रखें पैसों को एकत्रित कर भंडार घर की मटकी में छुपाने की आदत थी। लेखिका द्वारा पैसों के बारे में पूछे जाने पर भक्तिन इन्हें चोरी नहीं मानती थी।

9. महादेवी जी कौन सा कार्य नहीं कर पाई अपितु भक्ति ने व कार्य कर दिया?
उत्तर: महादेवी जी भक्तिन के रहन सहन की आदते बदलना चाहती थी परंतु वह भक्तिन की आदतों को बदलने में असमर्थ रही। इसके विपरीत महादेवी जी के जीवन में भक्तिन के रहन-सहन का ऐसा प्रभाव पड़ा जिसने महादेवी जी की आदतें बदल दी।

10. भक्तिन को टकसाल क्यों कहा गया है?
उत्तर: भक्तिन ने तीन पुत्रियों को जन्म दिया था और बेटियां लक्ष्मी का स्वरूप होती है इसलिए भक्तिन को टकसाल कहा गया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न **3 अंक**

11. महादेवी वर्मा के अनुसार भक्तिन का चरित्र कैसा है?
उत्तर: लेखिका महादेवी वर्मा के अनुसार भक्तिन निस्वार्थ, मेहनती एवं कर्मठ महिला है। वह ईश्वर के प्रति भक्ति भावना रखती है एवं साथ ही भक्तिन लेखिका के प्रति निस्वार्थ प्रेम की भावना भी रखती है। परंतु भक्तिन के भीतर पैसे छुपाने जैसी छोटी मोटी दुर्गुण भी उपस्थित है।

12. लेखिका ने भक्तिन को संस्करण क्यों कहा है?
उत्तर: भक्तिन ने एक पुत्री को जन्म देने के बाद फिर से दूसरी पुत्री को जन्म दिया था। इस प्रकार भक्तिन ने तीन पुत्रियों को एकाएक जन्म दिया था। लेखिका को ऐसा लगता है कि मानो किसी पुस्तक का हर वर्ष संस्करण हुआ हो।

13. भक्तिन के दो अवगुणों को बताइए जो महादेवी वर्मा ने बताई है।
उत्तर: लेखिका महादेवी द्वारा बताई गई भक्तिन के दो अवगुण :-
- लेखिका द्वारा पूछी गई बातों पर भक्तिन अपनी बातें सिद्ध करने हेतु लेखिका से तर्क वितर्क करती थी।
- लेखिका महादेवी के किसी भी बात पर गुस्सा करने पर भक्तिन उनसे झूठ बोला करती थी।

14. महादेवी वर्मा जी ने किसे अस्पष्ट पुनरावृत्ति कहा है तथा किसे स्पष्ट पुनरावृत्ति कहा है?
उत्तर: भक्तिन जब अपने पिता के गांव उनसे मिलने के उद्देश्य से पहुंची, तो उसे देख गांव के सभी लोग एक दूसरे के कानों में बेचारी लक्ष्मी फुसफुसाने लगे। इन लोगों द्वारा एक दूसरे के कानों में फुसफुसाहट की कोई स्पष्टता नहीं थी। इस प्रकार लोगों द्वारा फुसफुसाने को महादेवी ने अस्पष्ट पुनरावृत्ति कहा है। इसके बाद गांव वाले भक्तिन को सहानुभूति देने लगे। अतः यह पूर्ण स्पष्ट रूप से हो रहा था इसलिए लेखिका ने इसे स्पष्ट पुनरावृत्ति कहा है।

15.भक्तिन के आने से महादेवी जी के अंदर क्या बदलाव आया?
उत्तर: भक्तिन के आने पर महादेवी जी के रहन-सहन में महत्वपूर्ण बदलाव आया क्योंकि भक्तिन गांव की रहने वाली थी। जिससे भक्तिन के तौर तरीके और भोजन बनाने का तरीका देहाती था। भक्तिन लेखिका के लिए गाढ़ी दाल, मोटी रोटी, मकई की लपसी, भुट्टे के हरे-हरे दाने की खिचड़ी एवं बाजरे के तिलवाले ठंडे पुए बनाती थी। धीरे धीरे महादेवी के रहन-सहन में भी बदलाव आ गया और वह भी भक्तिन के रंग में रंग गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **5 अंक**

16. महादेवी जी भक्तिन को क्या करने से मना करती थी और फिर भी भक्तिन वह कार्य करती थी?
उत्तर: महादेवी जी को भक्तिन का सिर मुंडवाना पसंद नहीं था इसलिए वह भक्तिन को सिर मुंडवाने से मना करती थी। परंतु भक्तिन का ऐसा मानना था कि शास्त्रों में सिर मुंडवाने को सही माना जाता है इसलिए भक्तिन हर हफ्ते अपना सिर मुंडवा लेती थी। महादेवी के भक्तिन को सिर मुंडवाने से रोकने पर भक्तिन उन्हें विभिन्न प्रकार के तर्क देने लगती।

17. भक्तिन के पिता से मिलने जाने की घटना का वर्णन कीजिए।
उत्तर: भक्तिन को अपने पिता के बीमार होने की बात का ज्ञान था। इसलिए वह अपने पिता से मिलने हेतु अपने पिता के गांव जाना चाहती थी। परंतु जब भक्तिन पिता से मिलने उनके गांव पहुंची तो उसे देख गांव के लोग एक दूसरे के कानों में बेचारी लक्ष्मी आई है ऐसा कह कर फुसफुसाने लगे। भक्तिन को अपने पिता की मृत्यु की बात का कोई ज्ञान ना था इसलिए पिता की मृत्यु के बात पर लोग उसे सहानुभूति देने लगे।

18. भक्तिन की बेटी तथा पंचायत के फैसले की घटना का वर्णन कीजिए।
उत्तर: भक्तिन तीन पुत्रियों की मां थी एवं उसका कोई पुत्र ना था। जिसके कारण भक्तिन के जेठ ने संपत्ति के लालच में भक्तिन की विधवा बेटी को फसाया था। भक्तिन के जेठ के साले ने उसकी विधवा बेटी के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की थी। जिससे उसकी बेटी ने उस व्यक्ति की पिटाई कर दी। इसके बाद पंचायत तक बात पहुंचने पर पंचायत ने बिना उसकी बेटी की बात सुने ही दुष्कर्म करने वाले के साथ उसकी शादी का फैसला कर दिया।

19. भक्तिन को अपने जीवन में सबसे ज्यादा ताने किस से मिले?
उत्तर: भक्तिन के जीवन में सबसे अधिक ताने देने वाले लोग उसके परिवार के ही थे। भक्तिन की तीन पुत्रियां थी एवं उसका कोई भी पुत्र ना था। उसकी जेठानियों ने पुत्रों को जन्म दिया था। इसलिए वे पूरे दिन आराम करती थी। इसके विपरीत भक्तिन और उसकी बेटियां सारे घर का काम करती एवं साथ ही खेत का भी काम करती परंतु तब भी भक्तिन की जेठानी एवं सास उसे ताने दिया करती थी।

20. भक्तिन का मूल नाम क्या था? तथा महादेवी वर्मा ने उसका नाम भक्तिन क्यों रखा था?

उत्तर: भक्तिन का मूल नाम लछमिन था जिसका वास्तविक अर्थ लक्ष्मी होता है। अत: लक्ष्मी को हम धन की देवी मानते हैं। परंतु पाठ के आधार पर भक्तिन और उसके नाम का दूर-दूर तक कोई संबंध न था। इसके विपरीत जब वह लेखिका से मिली तो उसका वेशभूषा साधारण एवं कंठ पर माला और सिर मुंडवाया हुआ था। लक्ष्मी की कर्मठता, लगन और लेखिका के प्रति निस्वार्थ भावना को देख महादेवी वर्मा ने लक्ष्मी का नाम भक्तिन रख दिया। भक्तिन के गले में कंठी माला और उसकी वेशभूषा के आधार पर उसका नाम भक्तिन पर पूर्ण रूप से शोभनीय है।